

Living the Lotus

9
2022

VOL. 204

Buddhism in Everyday Life

Founder's Reflections

आपके आस-पास के लोगों में बदलाव की प्रवृत्ति है हम

रेवरेन्ट निक्कयो निवानो

मैं मानता हूँ कि हर कोई शब्दों के अर्थ को समझ सकता है और स्वयं को तथा दूसरों को तदनु रूप बदल सकता है। क्या लोग वास्तव में इन शब्दों की सच्चाई को समझते हैं, आपको पता चल जाएगा कि जब वे कहते हैं कि "अगर मैं गलत नहीं हूँ, तो ऐसा क्यों है कि मैं ही वह हूँ जिसे बदलना है?" और "अगर मैं बदल भी जाऊँ, तो क्या इस बात की कोई विश्वास है कि दूसरा व्यक्ति भी बदल जायेगा?" यह देशना पुण्डरीक सूत्र का हिस्सा है, जैसा कि सूत्र कहता है, "प्रवेश करना कठिन है और समझना कठिन है।"

बुद्ध की धर्मदेशना के लोक में प्रवेश करना बेहद कठिन है, जबकि हम अभी भी सामान्य ज्ञान और स्वार्थ की अपनी धारणाओं से चिपके हुए हैं। लेकिन जब हम सीखते हैं कि कैसे सभी चीजें अन्योन्याश्रित रूप से उत्पन्न होती हैं, तो हम समझ जाते हैं कि इस परस्पर जुड़ी दुनिया में एक पक्ष के लिए बिल्कुल सही या दूसरा पक्ष का बिल्कुल गलत होना असंभव है। इसी तरह, हम महसूस करते हैं कि दूसरों पर प्रभाव डाले बिना, हमारे लिए खुद को बदलना संभव नहीं है।

तथ्य यह है कि सभी चीजें अन्योन्याश्रित रूप से उत्पन्न होती हैं, हमें दिखाती हैं कि कुछ भी एक जैसा नहीं रहता है या अपने आप मौजूद नहीं है; अस्तित्व में सब कुछ हमेशा अन्य चीजों के पारस्परिक संबंध में बदलता रहता है।

यदि आप इस धर्मदेशना का अभ्यास करने का प्रयास करते हैं, तो आप बुद्ध की धर्मदेशना को पूरी तरह समझ पाएँगे और अपने बारे में सोचेंगे, "अवश्य ही!"

काइसो जुइकान 10 (कोसेइ प्रकाशन, 1997), पीपी. 260-261

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्कयो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निच्चिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

Living the Lotus
Vol. 204 (September 2022)

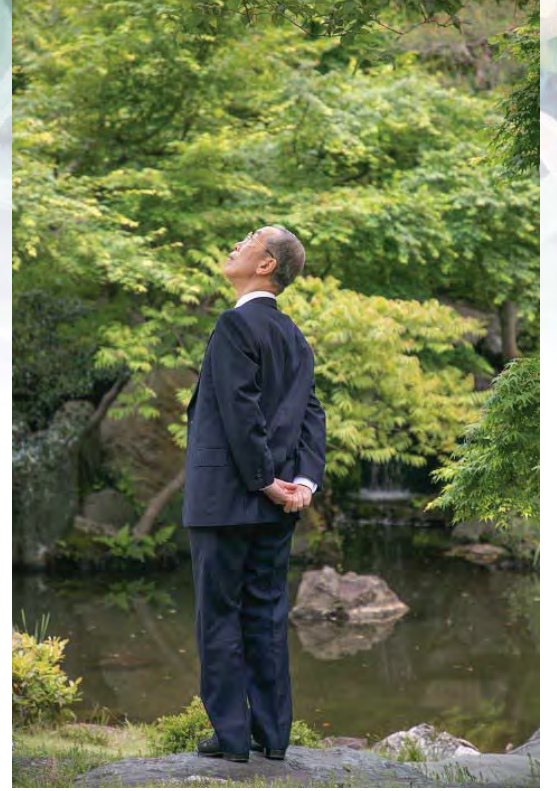
Senior Editor: Keiichi Aka gawa
Editor: Jigjikhorloo Gereltuya
Copy Editor: Pamita Shekhar

Living the Lotus is published monthly
by Rissho Kosei-kai International,
Fumon Media Center, 2-7-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: living.the.lotus.rk-international
@kosei-kai.or.jp

"लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ" का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।

किसी चीज में विश्वास करने से खुशी मिलती — एकाग्रता

निचिको निवानो
प्रेसिडेण्ट, रिशशो कोसेइ काइ



हम सभी खगोलीय क्षेत्र में एक बिंदु हैं

हम बुद्ध की धर्मदेशनाओं को सीखते हैं, दूसरों के प्रति विचारशील होना ही दयालु मन का उपयोग है, और ऐसी प्रथाओं के माध्यम से मनुष्य के रूप में विकसित होने का प्रयास करते हैं। इन्हें "बोधिसत्व का अभ्यास" कहा जाता है और धर्मदेशना में छह मार्गदर्शक विषय के रूप में संक्षेपित है, जिन्हें छह पारमिता के रूप में जानते हैं। इन छह में से एक एकाग्रता को संस्थापक निवानो द्वारा "हमेशा सत्य का पालन करने के लिए दृढ़ मन की स्थिति" और "मन की एक परम शांत अवस्था है, जिसमें संदेह नहीं है या जो परेशान नहीं होता है, चाहे कुछ भी हो जाए"। इसलिए, एकाग्रता हमारे व्यवहार के लिए एक दिशानिर्देश के बजाय, सभी बोधिसत्वों से अपेक्षित मन की स्थिति है।

लेकिन, क्या यह संभव है कि मन की ऐसी व्यवस्थित ढाँचा हो, चाहे कुछ भी हो जाए? और अगर हम ऐसा करने में असमर्थ हैं, तो क्या हम बोधिसत्व के रूप में अयोग्य हैं? क्योंकि हम इंसान हैं, इसलिए कभी भी संदेह नहीं करना या परेशान नहीं होना बेहद कठिन है। यदि हमारा मन अशांत हो जाता है, तो मेरी समझ में इसका यह अर्थ नहीं है कि हम बोधिसत्व के रूप में अयोग्य हैं।

हर दिन, हम विभिन्न लोगों और घटनाओं का सामना करते हैं। अनित्यता की देशना के अनुसार, प्रत्येक क्षण उत्पाद और परिवर्तन से भरे नए मुठभेड़ों की एक श्रृंखला का हिस्सा है। इस प्रक्रिया के दौरान, हम कभी-कभी परेशान हो सकते हैं या अपना आपा खो सकते हैं। यद्यपि हम सभी का मन शांत है, बुद्ध की तरह, हमारा मन कभी-कभी क्रोध या लोभ से अस्थिर हो जाता है; क्योंकि हम मात्र इंसान हैं, मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि हम इस तथ्य को पूरी तरह से स्वीकार करें। केवल इस वास्तविकता का सामना करके ही हमारा मन कभी-कभी अस्थिर होता है, क्या हम अस्तित्व की एक अस्थिर अवस्था प्राप्त करने की आकांक्षा कर सकते हैं और कुछ ऐसा ग्रहण करना चाहते हैं जिस पर हम अपने मन की गहराई से भरोसा कर सकें। वास्तव में, आप में से बहुत से लोग इस तरह से धर्म से जुड़े हैं, है ना?

इसलिए, यह तथ्य है कि हम मनुष्यों में संदेह है और चिंताएँ महत्वपूर्ण हैं। यदि कोई चीज हमारे मन को झकझोरती है, तो यह इस बात का साक्ष्य है कि हम जिंदा हैं। अगर हम इस तरह की घटनाओं को पूरी तरह से स्वीकार कर सकते हैं और एक व्यक्ति के रूप में जीवन प्राप्त करने के लिए आभारी हो सकते हैं - सत्य (धर्म) की

खोज करने में सक्षम हैं - तो ऐसी स्वीकृति स्वयं एक बोधिसत्व के समान एकाग्रता का स्तर है, जिसमें हमारा मन दृढ़ संकल्प है, "सत्य का पालन करो।"

सत्य की चँद्रमा देखना

जेन मास्टर इक्क्यू (1394-1481) की एक बौद्ध कविता को उद्धृत कर रहा हूँ,

एक बादल रहित आकाश में,
एक अकेला चाँद चमकता है,
और फिर भी हम खो जाते हैं,
इस तैरती दुनिया के अंधेरे में।

जैसे चाँदनी रात में चलने में हमारी मदद करती है, वैसे ही सञ्चाई का चाँद हमेशा हमें रोशन करता है। फिर भी, जो सत्य की तलाश नहीं करते हैं, वे अपने मन में लगातार चिंता, अधीरता और भय के साथ रहते हैं, जैसे कि वे अंधेरी रात में चलते हुए टटोल रहे हों।

अपनी मृत्यु से कुछ समय पहले, शाक्यमुनि ने अपनी धर्मदेशना की व्याख्या की, "अपने आप को प्रकाश बनाओ; धर्म को अपना प्रकाश बनाओ," जिसका अर्थ है "सत्य में विश्वास करो और उस सत्य का पालन करते हुए स्वयं पर निर्भर रहो, धर्म की शरण लो।" हम कह सकते हैं कि यह सूत्र चाँदनी की तरह है, जो हमें रात में चलने में मदद करता है। दूसरे शब्दों में, मौलिक सत्य के साथ अपने व्यवहार और मुद्दे को अपने सामने रखने की कोशिश करने की आदत बनाना महत्वपूर्ण है - जैसे "सभी चीजें निरंतर परिवर्तन की स्थिति में हैं," और "सभी चीजें कारणों और स्थितियों के माध्यम से उत्पन्न होती हैं।" यदि ऐसा करने से आपका मन थोड़ा शांत या परमशांत हो जाता है, तो इससे चिंता और पीड़ा से राहत मिलेगी।

"एकाग्रता" के लिए जापानी शब्द ज़ेंजो - जिसका अर्थ है शांत, स्थिर मन की स्थिति - जिसे आम तौर पर ध्यान के माध्यम से प्राप्त मन की शांतिपूर्ण अवस्था के रूप में समझा जाता है। ध्यान और एकाग्रता कई प्रकार की होती है, लेकिन मेरा मानना है कि कुंजी यह है कि आप अपने वर्तमान व्यवहार और वास्तविकता को अपने सामने अच्छी तरह से देखें, उन्हें स्वीकार करें, और अपने मन को सत्य पर केंद्रित करने का हर संभव प्रयास करें। और फिर, कि इस अभ्यास को केवल "अपने आप को प्रकाश बनाओ धर्मदेशना द्वारा समझाया गया है; धर्म को अपना प्रकाश बनाओ," और यह कि हमने इसका सामना किया है और साथ ही एक ऐसा विश्वास जो हमेशा हमारे दिमाग को शांत करता है, एक ऐसी चीज है जिसके लिए हम वास्तव में आनंद महसूस करते हैं।

चाँद देखने का मौसम अब हम पर है। और यद्यपि हम सभी एक ही चाँदनी में नहाए हुए हैं, फिर भी ऐसे लोग हैं जो शांतिपूर्ण जीवन नहीं जी सकते। छह पारमिताओं में वर्णित दूसरों को लाभान्वित करने के कई अभ्यास, जिनमें से पहला दान का अभ्यास है, हमें उन लोगों के मन में करुणा के प्रकाश को चमकाने में मदद करता है जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। हमारी एकाग्रता - सत्य के चँद्रमा को निहारना - एक बोधिसत्व अभ्यास है जो ऐसा करने का आधार बनाता है।

From Kosei, September 2022.

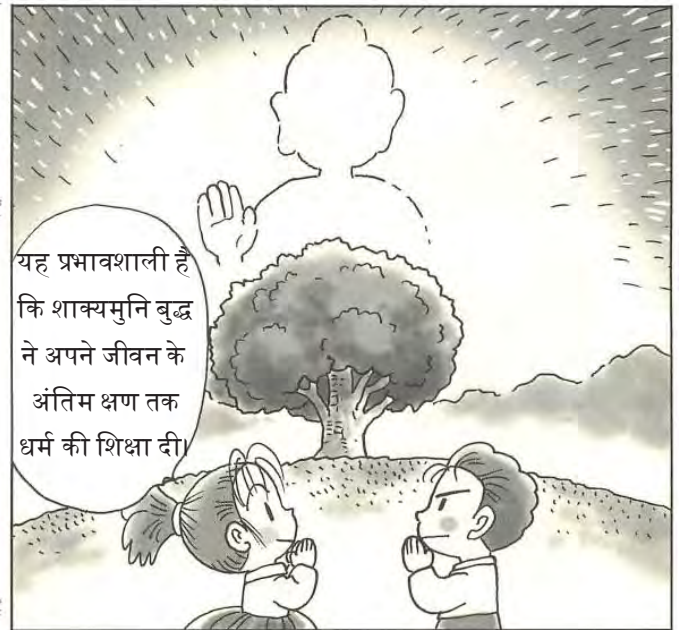
काँमिक्स के माध्यम से रिशो कोसेइ काइ का परिचय

शाक्यमुनि बुद्ध का जीवनकाल और बौद्ध धर्म की देशनाएँ

शाक्यमुनि बुद्ध का परिनिर्वाण में प्रवेश

शाक्यमुनि बुद्ध का अस्सी वर्ष का जीवन कुशीनगर में समाप्त हुआ; इस घटना को “शाक्यमुनि बुद्ध का परिनिर्वाण में प्रवेश” कहा जाता है। जापानी कैलेंडर के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि यह 15 फरवरी की आधी रात को हुआ था। ऐसा कहा जाता है कि जब शाक्यमुनि बुद्ध ने परिनिर्वाण में प्रवेश किया, तो अचानक भूकंप आया और गड़गड़ाहट हुई।

शाक्यमुनि बुद्ध परिनिर्वाण में प्रवेश के पूर्व अपने शिष्यों के लिए यह संदेश छोड़ गए: “मैं आप सभी के लिए कुछ शब्द छोड़ रहा हूँ। सभी घटनाएँ हमेशा बदलती रहती हैं। मेरी धर्मदेशनाओं का परिश्रमपूर्वक अभ्यास करने का प्रयास करो।”



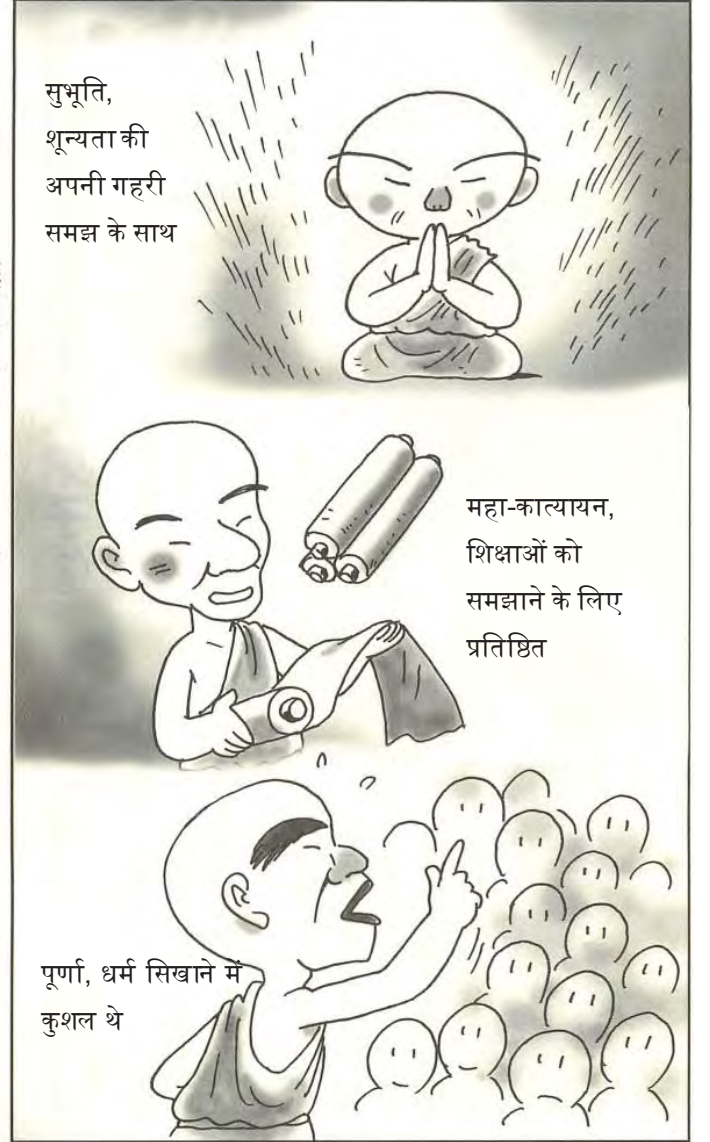
क्या तुम्हें पता है?

शाक्यमुनि बुद्ध ने अपने शिष्यों को ये अंतिम शब्द भी बताए: “आपको खुद पर भरोसा करना चाहिए और किसी अन्य पर नहीं। आपको धर्म को अपना प्रकाश और सहारा बनाना चाहिए, और किसी अन्य चीज पर भरोसा नहीं करना चाहिए।” इस संबोधन को बौद्ध धर्म में “अपने आप को प्रकाश बनाओ, धर्म को अपना प्रकाश बनाओ” की शिक्षा के रूप में याद किया जाता है। इन शब्दों के माध्यम से, हम अपने शिष्यों को प्रोत्साहित करने के लिए शाक्यमुनि बुद्ध के गर्मजोशी को महसूस कर सकते हैं, जिन्होंने स्वयं को कठिन अभ्यासों के लिए समर्पित कर दिया था।

* इस सामग्री का कोई भी पुनरुत्पादन या पुनर्प्रकाशन व्यक्तिगत, गैर-व्यावसायिक और सूचनात्मक उपयोग के लिए पुनरुत्पादन के अलावा निषिद्ध है।



शाक्यमुनि बुद्ध के दस महान शिष्य—भाग 1



शाक्यमुनि बुद्ध के कई शिष्य थे जिनकी अपनी अनूठी क्षमताएँ थीं। उन्होंने धर्म के प्रसार और संगठन के प्रबंधन में एक साथ काम करने के लिए अपनी प्रतिभा का योगदान दिया। दस महान शिष्य उनमें से सबसे प्रसिद्ध हैं।

शारिपुत्र अपनी महान बुद्धि के लिए जाने जाते थे। मौद्गल्यायन के पास पारलौकिक शक्तियाँ थीं। सुभूति शून्यता के सिद्धांत की अपनी समझ में दूसरों से अलग थे।

महा-कात्यायन धर्म की व्याख्या इस तरह से करने में अच्छे थे, जो समझने में आसान थी। पूर्णा धर्म के शिक्षकों में सबसे प्रमुख थे, और वे जीवन भर अपने घर पर धर्म प्रसार में लगे रहे।

☀ क्या तुम्हें पता है?

पारलौकिक शक्तियाँ देखने, सुनने और महसूस करने की विशेष क्षमताएँ हैं जो सामान्य लोग नहीं कर सकते। किंवदंती है कि मौद्गल्यायन ने अपनी दिव्य शक्तियों के माध्यम से अपनी पीड़ित माँ को क्षुधित आत्माओं के बीच पाया। उसके पिछले जन्म में संचित उनके लालची और स्वार्थी कार्यों ने उसे पीड़ा दी थी। उन्होंने संघ में कई अच्छे साथियों से, जिनके साथ उन्होंने शिक्षाओं का अभ्यास किया, उनके पुण्यों को हस्तांतरित कराकर माँ का उद्धार किया। जबकि उन्होंने स्वयं उन अच्छे दोस्तों को प्रसाद और दान दिया था। अंत में, उन्होंने ऐसे कई अच्छे साथियों की मदद से एक स्मारक सेवा आयोजित करके अपनी माँ को क्षुधित आत्माओं के बीच से मुक्त कर दिया।

Director's Column

अपने आत्म-केन्द्रित विचार को छोड़ दो

रेवरेन्ट केइइची आकागावा

निदेशक, रिश्शो कोसेइ काइ इन्टरनेशनल

हैलो, डायरेक्टर के स्तम्भ के पाठकगण! कोविड-19 महामारी की तीसरी गर्मी समाप्त होने वाली है। मुझे लगता है कि आप में से कई लोग भीषण गर्मी से थक चुके हैं, है ना? मैं आप सभी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूँ।

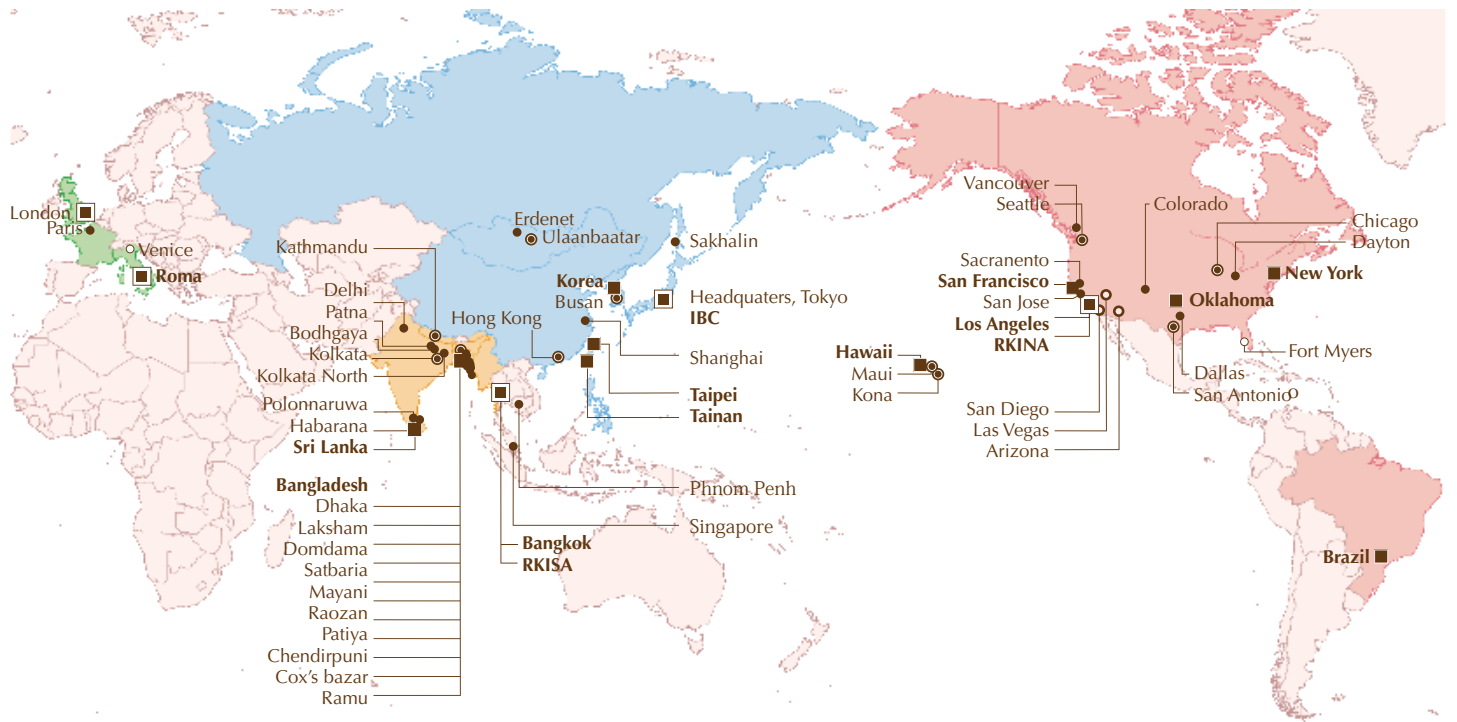
इस महीने के लिए अपने संदेश में, "किसी चीज में विश्वास करने से खुशी मिलती है" शीर्षक से प्रेसिडेण्ट निचिको निवानो ने आसान तरीके से समझने वाले शब्दों में एकाग्रता के गुणों की व्याख्या की है। हममें से जो दैनिक जीवन में बौद्ध धर्म का अभ्यास करने का प्रयास करते हैं, उनके लिए प्रेसिडेण्ट निवानो हमें याद दिलाते हैं कि "हर क्षण उत्पादकता और परिवर्तन से भरा नये मुठभेड़ों की एक श्रृंखला का हिस्सा है।" उस प्रक्रिया के बीच, हमारा मन कभी-कभी संदेह, परेशानी, क्रोध या लालच से अस्थिर हो जाता है। प्रेसिडेण्ट निवानो हमें ध्यान दिलाते हैं कि मन को एक स्थिर स्थिति में कैसे लौटना है।

रिश्शो कोसेइ काइ के सदस्यों के रूप में, हम परिश्रम के तथाकथित बुनियादी अनुभव को साझा करते हैं - धर्म को सीखने और अभ्यास करने और संघ से अनुकंपा समर्थन प्राप्त कर विभिन्न कष्टों पर विजय प्राप्त करते हैं। इस अनुभव से हम सीखते हैं कि आत्मनिरीक्षण के माध्यम से आत्मकेन्द्रित विचारों को त्यागने के हमारे प्रयास हमारे दुखों को समाप्त कर देंगे। एकाग्रता पर इस महीने के संदेश से, मैंने सीखा है कि कैसे हम अपने मन को सत्य के अनुसार स्थिर रख सकते हैं।



We welcome comments on our newsletter Living the Lotus: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement



Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA
 TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633
 Email: sangha@rkhawaii.org URL: <http://www.rkhawaii.org>

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1809 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA
 TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA
 TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567
 Email: rk-la@sbcglobal.net URL: <http://www.rkina.org/losangeles.html>

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas**

Rissho Kosei-kai of San Francisco

(Address) 1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA
 (Mail) POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA
 TEL: 1-650-359-6951 Email: lotusbuddhist@gmail.com
 URL: <https://sf-buddhism.org/>

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco

- Rissho Kosei-kai of Sacramento**
- Rissho Kosei-kai of San Jose**

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA
 TEL: 1-212-867-5677 Email: rkny39@gmail.com URL: <http://rk-ny.org>

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA
 TEL: 1-773-842-5654
 Email: murakami4838@aol.com URL: <http://rkchi.org>

Rissho Kosei-kai of Fort Myers

URL: <http://www.rkftmyersbuddhism.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

(Address) 2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA
 (Mail) POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA
 TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303
 Email: rkokdc@gmail.com URL: <http://www.rkok-dharmacenter.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA
 URL: <http://www.rkina-dayton.com>

The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567
 Email: info@rkina.org
 URL: <https://www.buddhistcenter-rkina.org>

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Please contact RKINA

Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA
 (Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA
 TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745
 Email: dharmasanantonio@gmail.com
 URL: <http://rksabuddhistcenter.org>

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA
 TEL: 1-253-945-0024 Email: rkseattlewashington@gmail.com
 URL: <http://buddhistlearningcenter.org>

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil
 TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377
 Email: risho@rkk.org.br URL: <http://www.rkk.org.br>

在家佛教韓國立正佼成會 Korean Rissho Kosei-kai
〒 04420 大韓民國 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
TEL: 82-2-796-5571 FAX: 82-2-796-1696

在家佛教韓國立正佼成會釜山支部

Korean Rissho Kosei-kai of Busan
〒 48460 大韓民國釜山廣域市南區水營路 174, 3F
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
TEL: 82-51-643-5571 FAX: 82-51-643-5572

社團法人在家佛教立正佼成會 Rissho Kosei-kai of Taipei
台灣台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大廈 4 樓
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongheng District, Taipei City 100, Taiwan
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633 FAX: 886-2-2331-3433

台南市在家佛教立正佼成會 Rissho Kosei-kai of Tainan
台灣台南市東區崇明 23 街 45 號
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
TEL: 886-6-289-1478 FAX: 886-6-289-1488
Email: koseikaitainan@gmail.com

Rissho Kosei-kai South Asia Division

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Kathmandu

Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai Society of Kolkata

89 Srirampur Road (VIP), Garia, Kolkata 700084, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center

Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rampur, Gaya-823001,
Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Patna Dharma Center

Please contact Rissho Kosei-kai Society of Kolkata

Rissho Kosei-kai of Central Delhi

77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,
New Delhi 110060, India

Rissho Kosei-kai of Singapore

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh

W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,
Phnom Penh, Cambodia

RKISA Rissho Kosei-kai International of South Asia

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Bangkok

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8216 FAX: 66-2-716-8218 Email: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei Dharma Foundation

No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka
TEL: 94-11-2982406 FAX: 94-11-2982405

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa

Please contact Rissho Kosei Dharma Foundation

Rissho Kosei-kai Bangladesh

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
TEL: 880-2-41360470

Rissho Kosei-kai Mayani

Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Damdama

Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Satbaria

Village: Satbaria Bepari Para, Chandanaih, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Chendhirpuni

Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai Raozan

Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Laksham

Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Dhaka North

408/8 DOSH, Road No 7 (West), Baridhara, Dhaka, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Cox's Bazar

Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh

Rissho Kosei-kai Patiya

Rissho Kosei-kai Ramu

Rissho Kosei-kai Aburkhill

Buddiyskiy khram "Lotos"

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia
TEL: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Hong Kong

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar

(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoroov-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia
(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia
TEL: 976-70006960 Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Erdenet

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai di Roma

Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia
TEL/FAX: 39-06-48913949 Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Rome

Rissho Kosei-kai of Paris

Rissho Kosei-kai of Venezia

Rissho Kosei-kai of the UK

29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK
TEL: 44-20-8933-3247 Email: info@rkuk.org URL: <https://www.rkuk.org>
Facebook: <https://www.facebook.com/rkuk.official>
Twitter: https://twitter.com/rkuk_official
Instagram: https://www.instagram.com/rkuk_official

Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)

166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan
TEL: 03-5341-1230 FAX: 03-5341-1224 URL: <http://www.ibt-rk.org>